भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2666

दिनांक 16 दिसंबर, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

चाय विकास एवं संवर्धन योजना की प्रगति

2666. श्री गौरव गोगोई:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चाय विकास एवं संवर्धन योजना की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके प्रमुख घटक कौन-कौन से हैं और इस संबंध में असम में कितनी प्रगति हुई है;

(ख) विगत पाँच वर्षों के दौरान योजना के प्रत्येक घटक के अंतर्गत लाभान्वित हुए असम के छोटे चाय उत्पादकों की संख्या कितनी है और प्रदान की गई सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ग) उत्पादकता, गुणवत्ता या बाज़ार पहुँच में किसी परिवर्तन सहित उक्त योजना के कार्यान्वयन के बाद असम के चाय क्षेत्र में पाये गए प्रमुख परिणाम क्या हैं?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ग): चाय बोर्ड असम राज्य सहित, पूरे देश में 'चाय विकास और संवर्धन योजना (टीडीपीएस)' कार्यान्वित कर रहा है। इस योजना का उद्देश्य अन्य बातों के साथ-साथ चाय के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना, बाजारों में आने वाली चाय की गुणवत्ता में सुधार करना, निर्यात को बढ़ावा देना, छोटे चाय उत्पादकों को स्वयं सहायता समूह और किसान उत्पादक संगठन (एसएचजी/एफपीओ) बनाने के लिए प्रेरित करना ताकि वे मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ सकें, एसएचजी/एफपीओ को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें मिनी चाय कारखाने स्थापित करने

में सहायता प्रदान करना और क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलाना है। टीडीपीएस योजना में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित घटक शामिल हैं:

i. बागान विकास और गुणवत्ता उन्नयन

ii. चाय संवर्धन और बाजार सहयोग

iii. तकनीकी कार्यकलाप

iv. अनुसंधान एवं विकास

v. कल्याण और क्षमता निर्माण संबंधी उपाय

चाय विकास एवं संवर्धन योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2025-26 (दिनांक 31.10.2025 तक) की अवधि के दौरान असम राज्य में किए गए मुख्य कार्यकलापों में अन्य बातों के साथ-साथ 437.42 हेक्टेयर क्षेत्र में चाय का पुनःरोपण, 318 एसएचजी, 143 एफपीओ और 26 एफपीसी का गठन, 31 मिनी चाय कारखानों की स्थापना, 30.32 हेक्टेयर क्षेत्र के चाय बागानों को जैविक में बदल परिवर्तित करना, 30 फार्म फील्ड स्कूलों की स्थापना और 1343 क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन शामिल है। भारतीय चाय का निर्यात में असम चाय भी शामिल है, जिसमें 6.55 प्रतिशत सीएजीआर के साथ वर्ष 2020-21 में 716.86 मिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 923.89 मिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

पिछले पांच वर्षों में इस योजना के तहत लाभान्वित हुए छोटे चाय उत्पादकों की संख्या का विवरण अनुलग्नक-I के रूप में दिया गया है।

अनुलग्न- I

दिनांक 16.12.2025 को उत्तर के लिए नियत लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2666 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

असम में छोटे चाय उत्पादकों की संख्या का विवरण जो वर्ष **2021-22** से **2023-24** के दौरान इस योजना से लाभान्वित हुए और जिन्हे सहायता प्रदान की गई:

वे घटक (जिनके तहत छोटे चाय उत्पादकों को सहायता प्रदान की गई)	**2021-22**		**2022-23**		**2023-24**	
	लाख रुपये में	लाभार्थियों की संख्या	लाख रुपये में	लाभार्थियों की संख्या	लाख रुपये में	लाभार्थियों की संख्या
छोटे चाय उत्पादकों के लिए बागान विकास	433.93	20103	915.06	16717	1074.75	4991
पूर्वोत्तर के लिए नीति फोरम हेतु क्षेत्र-विशिष्ट कार्य योजना	12.06	1081	110.68	68	348.86	168
श्रमिकों का कल्याण	1.57	19	111.48	1236	196.59	2079
कुल	**447.56**	**21203**	**1137.22**	**18021**	**1620.20**	**7238**

स्रोत: टी बोर्ड

असम में उन लघु चाय उत्पादकों की संख्या का विवरण जिन्होंने वर्ष 2024-25 से 2025-26 के दौरान इस योजना से लाभान्वित हुए और सहायता प्रदान की गई:

वे घटक (जिनके अंतर्गत छोटे चाय उत्पादकों को सहायता प्रदान की जाती है)*	2024-25		2025-26(31-10-25 तक)	
	लाख रुपये में	लाभार्थियों की संख्या	लाख रुपये में	लाभार्थियों की संख्या
बागान विकास और गुणवत्ता उन्नयन	973.87	6778	1069.44	4534
कल्याण एवं क्षमता निर्माण उपाय	262.18	9924	205.18	2935
कुल	**1236.05**	**16702**	**1274.62**	**7469**

स्रोत: टीबोर्ड